स्थाई कुंभ सिटी के लिए लैंड पूलिंग को किया एच्छिक, साधु संतों ने भी लगाई मोहर

- अखाड़ा परिषद की बैठक में हुआ तय, कलेक्टर भी हुए शामिल
- आश्रम जीर्णोद्धार के लिए मांगे 50-50 लाख
- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक संतों ने पहुंचाई बात

नव भारत न्यूज

उज्जैन. सिंहस्थ महाकुंभ 2028 की तैयारियों को लेकर संत समाज ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है. शनिवार को पंचायती अखाड़ा निरंजनी में आयोजित स्थानीय अखाड़ा परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक में, संतों ने लैंड पूलिंग योजना को ऐच्छिक बताते हुए उसका समर्थन किया.

नवभारत से चर्चा में अखड़ा परिषद के अध्यक्ष रामेश्वरम से बताया कि किसानों की आड़ में होने वाली राजनीति बंद होनी चाहिए, क्योंकि यह करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं से जुड़ा मसला है. सभी साधु संतों ने एक स्वर में कहा कि सारे मतभेद बुलाकर उज्जैन का विकास करवाना चाहिए महाकुंभ के दौरान 12 साल में एक बार निर्माण कार्य होते हैं उसमें किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होना चाहिए.

साधु संतों ने कलेक्टर को भी किया आमंत्रित-संतों ने बड़नगर रोड पर निरंजनी अखाड़े में जो बैठक बुलाई उसमें अपनी बात मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव तक पहुंचाने के लिए कलेक्टर रोशन कुमार सिंह को भी आमंत्रित किया. श्री सिंह को संतों ने एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने आश्रमों के जीर्णोद्धार एवं निर्माण कार्यों के लिए मुख्यमंत्री से 50-50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की मांग की.

लैंड पूलिंग को संतों ने बताया ऐच्छिक-स्थानीय अखाड़ा परिषद की बैठक में लैंड पूलिंग योजना पर विस्तार से चर्चा हुई. संतों ने प्रशासन के रुख को स्पष्ट करते हुए कहा कि लैंड पूलिंग पूरी तरह से ऐच्छिक है. संतों ने कहा कि प्रशासन पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि किसानों की लिखित सहमति के बगैर कोई भी जमीन अधिग्रहित नहीं की जाएगी.

किसानों से संतों की अपील-संतों ने किसानों से अपील की कि वे किसी संगठन विशेष के बहकावे में न आएं और कुंभ मेले को दिव्य, अलौकिक व भव्य बनाने में प्रशासन का सहयोग करें. संतों ने सख्त लहजे में कहा कि किसानों की आड़ में जो लोग राजनीति कर रहे हैं वह इसे बंद करें एवं करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं से न खेलें.

निर्माण कार्य जल्द हो-संतों का मत था कि मेला क्षेत्र में सड़क, ड्रेनेज और बिजली से संबंधित अधोसंरचनागत कार्य अभी से शुरू होने चाहिए, खासकर उन क्षेत्रों में जहां सिंहस्थ के दौरान अत्यधिक दबाव रहता है, संतों ने मांग की कि मेला क्षेत्र में स्थाई प्रकृति के निर्माण कार्य जल्द शुरू कराए जाएं, क्योंकि सिंहस्थ में अब बहुत कम समय बचा है.संत समुदाय सरकार के साथ संतों ने यह भी कहा कि पूरा साधु समाज शासन-प्रशासन के साथ है और सिंहस्थ 2028 को दिव्य और भव्य बनाने के लिए संकल्पित है. यदि निर्माण कार्य समय पर पूरे नहीं होते हैं, तो साधु-संतों के साथ-साथ 40 करोड़ आम श्रद्धालुओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा, जिनका इस महाकुंभ में आने का अनुमान है.

यह संत महंत रहे मौजूद

स्थानीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत डॉ. रामेश्वर दास महाराज की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में विभिन्न अखाड़ों के प्रमुख पदाधिकारी और महंत मौजूद रहे, जिनमें श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय सचिव श्रीमहंत रामेश्वर गिरि महाराज, दत्त अखाड़े से श्री महंत आनंदपुरी महाराज, दिगंबर अखाड़े के महंत रामचंद्र दास महाराज, निर्वाणी अखाड़े के महंत दिग्विजय दास महाराज, निर्मोही अखाड़े के महंत महेश दास महाराज, अटल अखाड़े के महंत प्रेम गिरि महाराज, महानिर्वाणी अखाड़ा के महंत मुकुंदपुरी महाराज, आनंद अखाड़ा के महंत समुद्र गिरी महाराज, निरंजनी अखाड़ा के महंत सुरेशआनंदपुरी महाराज और अन्य वरिष्ठ संत-महंत शामिल थे.

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार दो छात्रों की मौत, एक गंभीर

- रफ्तार का कहर : देर रात लसूड़िया क्षेत्र में हुआ हादसा
- तीनों छात्र प्रेस्टीज कॉलेज में अध्ययनरत

नव भारत न्यूज

इंदौर. देर रात तेज रफ्तार नई स्कॉर्पियो कार ने बाइक सवार तीन छात्रों को टक्कर मार दी, जिसमें दो की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल है. हादसा शुक्रवार रात करीब दो बजे लसूड़िया थाना क्षेत्र के स्कीम-78 स्थित लाइफ केयर अस्पताल के सामने हुआ. जिस स्कॉर्पियो एमपी-09 एचसी 8837 से हादसा हुआ, वह बिल्कुल नई थी, उसके बोनट पर अब भी माला और रिबन बंधे हुए थे.

पुलिस के अनुसार, तीनों छात्र बाइक नम्बर एमपी-09 क्यूझेड 0714 से पेट्रोल पंप के सामने बने डिवाइडर कट से मुड़ रहे थे, तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सामने से टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक कार के आगे फंस गई और

तीनों छात्र करीब 30 मीटर तक घिसटाते चले गए. घटना के बाद स्कॉर्पियो में सवार चार युवक मौके से फरार हो गए. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीनों छात्र करीब आधे घंटे तक सड़क पर खून से लथपथ पड़े रहे. लोगों ने लाइफ केयर अस्पताल के

कर्मचारियों से मदद मांगी, लेकिन उन्होंने पुलिस आने तक घायल छात्रों को अंदर नहीं लिया. बाद में गश्ती वाहन 21 की टीम मौके पर पहुंची और अस्पताल प्रबंधन को फटकार लगाई, तब जाकर तीनों को अंदर भर्ती किया. डॉक्टरों ने कृष्णपाल सिंह तंवर (छंगावा, जिला खंडवा) और आयुष राठौर (मूंदी, खंडवा) को मृत घोषित कर दिया, जबकि श्रेयांश राठौर आयुष का कजिन गंभीर रूप से घायल है, उसका इलाज किया जा रहा है. आयुष और कृष्णपाल दोनों प्रेस्टीज कॉलेज से बीटेक कर रहे थे, जबकि श्रेयांश प्रेस्टीज कॉलेज में ही लॉ का छात्र है. आयुष के पिता मूंदी नगर परिषद में पार्षद हैं. लसूड़िया थाना प्रभारी इंद्रमणि पटेल ने बताया कि कार का नंबर ट्रेस कर लिया है और उसके रजिस्ट्रेशन के आधार पर चालक और मालिक की तलाश जारी है. हादसे में शामिल कार नई है, जिसके शो-रूम से निकलने के बाद ही वह पहली बार सड़क पर दौड़ी थी.

शहर में लगातार छात्र बन रहे हादसे का शिकार

शहर में बाहर से पढ़ाई करने आने वाले छात्र अक्सर रफ्तार के शिकार बन रहे हैं. तीन माह पहले भी प्रेस्टीज कॉलेज के दो छात्रों की तेजाजी नगर क्षेत्र में हादसे में मौत हो चुकी थी. पुलिस ने बताया कि देर रात होने वाले अधिकांश हादसे बायपास, कनाड़िया ब्रिज, डी-मार्ट रोड और तेजाजी नगर ब्रिज के आसपास होते हैं, जहां वाहनों की रफ्तार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है.

मंत्रालय के गलियारों से

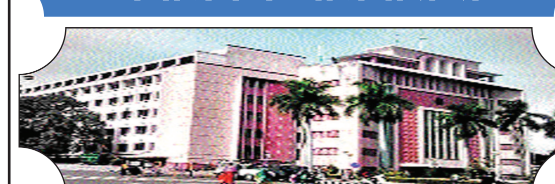

कन्हैया लोधी

साहब की निगेटिव मार्किंग

पिछले दिनों राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारे में एक आदेश की काफी चर्चा रही. ये आदेश ऐसा था, जिससे धरतीपुत्र सीधे प्रभावित हो रहे थे. बताया जा रहा है कि इस आदेश को जारी करने से पहले मंत्रालय के ही एक आला अधिकारी से एप्रूवल ले लिया गया था. आदेश जारी होने के दो दिन तक तो आला अधिकारी भी इसे वाजिब ठहराने की कोशिशों में लगे रहे, लेकिन इस मामले में जैसे ही सरकार पर दबाव बढ़ा तो फिर आनन-फानन में एक्शन की बात आ गई. इस एक्शन के चलते एक मैदानी अधिकारी पर गाज गिर गई और फिर साहब ने जैसे-तैसे स्थिति को संभाला. बताया तो ये भी जा रहा है कि इस आदेश के चलते साहब की निगेटिव मार्किंग भी हो गई है.

कोशिश जो नाकाम हो गई

पिछले दिनों राजधानी में मप्र के स्थापना दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया. पहले तो केवल एक दिनी कार्यक्रम होता था, पहली बार तीन दिनी हुआ. कार्यक्रम के दूसरे दिन एक भजन गायक को आमंत्रित किया गया था. देर से मिले मौके के बाद गायक ने समां बांधने की कोशिश की, लेकिन वे श्रोताओं से ज्यादा कनेक्ट नहीं कर पा रहे थे. इस बीच वे कार्यक्रम में मौजूद सरकार के पास पहुंच गये और उन्हें मंच पर चलने और साथ गायन का ऑफर दिया, लेकिन सरकार ने मुस्कुराते हुए विनम्रता से इंकार कर दिया. गायक की सरकार को मंच पर लाने की कोशिश नाकाम हो गई. ऐसे में गायक भी वापस मंच पर पहुंचें और फिर लोगों से कनेक्ट करने की कोशिश करते रहे.

इस सभा के क्या हैं मायने

प्रदेश की कभी फायर ब्रांड रही नेत्री ने पिछले दिनों राजधानी में एक गैर राजनीतिक सभा की. इस कार्यक्रम में उन्हें उम्मीद थी कि भारी भीड़ उमड़ेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका. उन्होंने मुद्दा तो सामयिक उठाया, लेकिन वजह जो भी हो, विचारधारा से जुड़े लोग भी इस कार्यक्रम में नहीं पहुंचे, नतीजा ये रहा कि जिस जोश के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, उतने ही ठंडे माहौल में समापन भी हो गया, अब आगे देखना दिलचस्प होगा कि उनका ये गैर राजनीतिक आंदोलन किस मुकाम पर पहुंचता है. इस बीच अब राजनीतिक विश्लेषक उनकी इस सभा के मायने निकालने लगे हैं. तर्क दिया जा रहा है कि सही समय में सही निर्णय न लेने की चूक अब पूरी चूक में तब्दील हो चुकी है. फिलहाल मप्र में तो कोई भविष्य नजर नहीं आ रहा है.

उम्मीदों पर पानी फेर रहा विभाग

तीन-चार माह पहले राजधानी में मेट्रो की सौगात अक्टूबर-नवंबर में मिलने की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन सरकार के निर्देश के बाद भी काम समय पर पूरा नहीं हो सका. इस मौके पर राजधानी में भव्य आयोजन करने की तैयारी है, लेकिन विभाग की लेटलतीफी चिंता का सबब बनी हुई है. हालांकि विभाग में ऐसे अफसर हैं, जिनका ध्यान कई क्षेत्रों में बंटा हुआ है. एक तरफ इंदौर है तो दूसरी तरफ आईटी विभाग में मिल रहा एक्सपोजर है, जिसके चलते वे मेट्रो से जुड़े विभाग पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हैं. इस कारण जो उम्मीद उनसे पाली गई थी, उस पर पानी फिर रहा है. अब देखना है कि आने वाले दिनों में यही स्थिति बरकरार रहती है या फिर कुछ बदलाव होता है.

पश्चिमी रिंग रोड पर फिर भड़का किसानों का गुस्सा

- अधूरे मुआवजे में जबरन कब्जे का विरोध
- खेतों से भगाए गए एनएचएआई अधिकारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. पश्चिमी रिंग रोड के अधिग्रहण को लेकर एक बार फिर किसान भड़क उठे. बरलाई जागीर और आसपास के गांवों के किसानों ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी अधूरी राशि देकर जबरन कब्जा लेने पहुंचे, जबकि कई किसानों को अब तक मुआवजा भी नहीं मिला. खेतों में खड़ी फसल के बीच बुलडोजर चलाने की कोशिश पर किसानों ने विरोध करते हुए अधिकारियों को

मौके से भगा दिया.किसान नेता हंसराज मंडलोई ने बताया कि जिला प्रशासन की मदद से एनएचएआई अधिकारी बिना पूर्ण मुआवजा दिए किसानों की भूमि पर कब्जा कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि यह जबरन कार्रवाई प्रशासन और किसानों के बीच टकराव की स्थिति पैदा कर रही है. बरलाई जागीर के किसान प्रहलाद डाबी ने बताया कि गांव के लगभग 40 किसानों की जमीन अधिग्रहित की गई है, परंतु अब तक केवल 8 से 10 किसानों को ही भुगतान हुआ है. इसके बावजूद अधिकारी पुलिस बल के साथ पहुंचे और कब्जा लेने लगे. विरोध के बाद किसानों ने मामले की जानकारी कलेक्टर शिवम वर्मा तक पहुंचाई. किसानों का आरोप है कि अधिकारियों ने कलेक्टर को भी गलत जानकारी देकर यह बताया कि सभी किसानों को भुगतान कर दिया है, जबकि वास्तविकता इससे उलट है.

कार्रवाई नहीं होगी तो उग्र आंदोलन करेंगे

किसान नेताओं ने कहा कि जब तक बाजार मूल्य से चार गुना मुआवजा नहीं दिया जाता, तब तक वे किसी भी स्थिति में भूमि का कब्जा नहीं देंगे. उन्होंने कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट की चुप्पी पर भी सवाल उठाए और कहा कि सांवेर विधानसभा के मंत्री होकर भी वे किसानों के हितों की अनदेखी कर रहे हैं. जिन किसानों ने उन्हें हजारों वोटों से जिताया, उन्हीं की जमीनों पर अब बुलडोजर चलवाए जा रहे हैं. ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने जबरन कब्जे की कार्रवाई रोकी नहीं, तो वे आंदोलन को और उग्र रूप देंगे.

नशीली कफ सिरप जब्त तीन आरोपी धराए

सीधी. नशे के अवैध व्यापार के विरुद्ध चल रहे विशेष अभियान प्रहार 2.0 के तहत पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत के निर्देशन, उप पुलिस महानिरीक्षक रीवा क्षेत्र हेमंत चौहान के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के नेतृत्व में सघन कार्रवाई जारी है. इसी क्रम में चौकी प्रभारी खड्डी सउनि नीरज साकेत एवं टीम ने मुखबिर सूचना पर ग्राम खैरा के पास से 20 शीशी कोडीन फॉस्फेट युक्त आनरेक्स कफ सिरप तथा एक मोटरसाइकिल एवं मोबाइल फोन जप्त कर कुल 1 लाख 3900 रूपये मूल्य का मशरूका जब्त किया है. आरोपियों में आदर्श सिंह भदौरिया, मोहित यादव, नर्वदा प्रसाद द्विवेदी शामिल हैं.

प्रदेश में ठंड ने दी दस्तक, कई जिलों में तापमान गिरा

भोपाल,08 नवम्बर. प्रदेश में ठंड ने दस्तक दे दी है. पिछले 24 घंटों के दौरान मध्यप्रदेश के सभी संभागों के जिलों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा, लेकिन तापमान में गिरावट के साथ शीतलहर का असर बढ़ गया है.

मौसम विभाग के अनुसार सीहोर और रीवा जिलों में शीत लहर, जबकि भोपाल, राजगढ़, इंदौर और शाजापुर जिलों में तीव्र शीत लहर का प्रभाव देखा गया है. पिछले 24 घंटों में शहडोल संभाग के जिलों में अधिकतम तापमान में 2.1 डिग्री सेल्सियस की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जबकि अन्य

भोपाल-इंदौर में तीव्र शीत लहर के असर

संभागों में तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ. इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभागों के जिलों में दिन का तापमान सामान्य से 3.2 से 3.4 डिग्री सेल्सियस तक कम रहा. वहीं, भोपाल, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल और सागर संभागों के जिलों में तापमान सामान्य से 1.6 से 2.7 डिग्री सेल्सियस तक नीचे दर्ज किया गया. भोपाल, उज्जैन, रीवा, जबलपुर, शहडोल और सागर संभागों के जिलों में न्यूनतम तापमान 2.1 से 3.6 डिग्री सेल्सियस तक गिरा. इनमें भोपाल और उज्जैन संभागों में तापमान सामान्य से 5.2 से 7.4 डिग्री सेल्सियस तक कम रहा. वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पंजाब और उसके आसपास के क्षेत्रों में माध्य समुद्र तल से लगभग 3.1 किमी ऊंचाई पर सक्रिय है.

ग्वालियर से गिरफ्तार हुई बांग्लादेशी युवती, फोन से मिले संदिग्ध चैट

ग्वालियर,08 नवम्बर . ग्वालियर में एक बार फिर बांग्लादेशी कनेक्शन सामने आया है. पुलिस ने पॉश इलाके गोविंदपुरी स्थित एक फ्लैट पर छापा मारकर एक युवती को हिरासत में लिया है.

इसके पास से बांग्लादेशी नागरिक होने के सबूत मिले हैं. युवती बिना किसी वैध दस्तावेज़ के अवैध रूप से भारत में रह रही थी. पुलिस ने एक युवक को भी हिरासत में लिया है, जो उसका मित्र बताया जा रहा है. फिलहाल दोनों से पूछताछ की जा रही है. एसएसपी धर्मवीर सिंह ने पुष्टि करते हुए कहा कि एक युवती अवैध रूप से भारत आई थी और ग्वालियर में रह रही थी. उसे हिरासत में ले लिया गया है. पुलिस को सूचना मिली थी कि विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में एक संदिग्ध बांग्लादेशी महिला रह रही है. विश्वविद्यालय थाना पुलिस ने पहले इसकी गोपनीय ढंग से तस्दीक की. जब मामला सही पाया गया तो पुलिस टीम ने फ्लैट में पहुँचकर युवती से पूछताछ की और तलाशी ली. इस दौरान उसके पास से बांग्लादेश के दस्तावेज़ बरामद हुए. हालांकि वह भारतीय नागरिकता से जुड़े किसी दस्तावेज़ को पेश नहीं कर सकी. देर रात तक युवती से विश्वविद्यालय थाने में पूछताछ जारी रही. जिस व्यक्ति के ज़रिये वह भारत आई थी, उसे भी पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है.

राहगीरों के लिए सिरदर्द बना मक्सी का हाट बाजार

मक्सी, 8 नवंबर. हर शनिवार को सिरोलिया रोड पर लगने वाला साप्ताहिक हाट अब स्कूली बच्चों, आम नागरिकों एवं ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन गया है.

इस हाट बाजार के कारण हर सप्ताह लगने वाले जाम को लेकर नवभारत द्वारा लगातार समाचार प्रकाशित किए जा रहे हैं, लेकिन उसके बाद भी जिम्मेदारों की उदासीनता खत्म ही नहीं हो रही. शनिवार को भी सुबह 8 से 11 बजे के बीच सिरोलिया मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति बनती रही. जिससे स्कूली बच्चों की बसें घंटों जाम में फंसी रही.

देशव्यापी आंदोलन की तैयारी | कांग्रेस ने शुरू किया व्यापक 'वोट-रक्षा अभियान'

कांग्रेस ने लगाया चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप

विशेष संवाददाता

भोपाल, 08 नवम्बर. मध्यप्रदेश कांग्रेस ने शनिवार को दस-सूत्रीय व्यापक वोट-रक्षा अभियान की घोषणा की और आरोप लगाया कि बड़े पैमाने पर मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के पीछे चुनाव आयोग पर भाजपा का प्रभाव काम कर रहा है.

पार्टी नेताओं ने इसे लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश बताया और देशव्यापी आंदोलन का ऐलान किया. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संयुक्त प्रेस

वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब चुनाव आयोग की जगह गृहमंत्री अमित शाह दे रहे हैं, जो आयोग की स्वायत्तता पर प्रश्नचिह्न है. पटवारी ने कहा कि बिहार के पहले चरण में लाखों वोटरों को अपने बूथ ही नहीं मिले क्योंकि नाम रातोंरात सूची से हटाए गए. उन्होंने कहा, कांग्रेस एक भी देशभक्त नागरिक का नाम मतदाता सूची से कटने नहीं देगी. कांग्रेस ने 25 से 30 नवंबर तक दिल्ली में बड़े पैमाने पर जन-संगठन कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की. पटवारी ने बताया कि रामलीला मैदान से लाखों लोग पैदल मार्च करेंगे और 30 नवंबर को राष्ट्रपति भवन के सामने पाँच किलोमीटर लंबी मानव-श्रृंखला बनाई जाएगी. इस दौरान पाँच करोड़ हस्ताक्षरों वाला ज्ञापन राष्ट्रपति को सौंपा जाएगा.

दिग्विजय सिंह ने कहा कि पहले जन्म-तिथि, राशन कार्ड और स्कूल प्रमाण-पत्र जैसे दस्तावेज पर्याप्त थे, लेकिन अब नागरिकता प्रमाण-पत्र मांगा जा रहा है, जो अधिकांश नागरिकों के पास नहीं है. उन्होंने मांग की कि चुनाव की घोषणा होते ही मतदाता सूची को फ्रीज किया जाए ताकि उसके बाद किसी भी तरह की हेरफेर न हो सके. उमंग सिंघार ने एक साथ 12 राज्यों में विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण शुरू किए जाने पर सवाल उठाए. उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षक और स्वास्थ्य कर्मचारी तक इस कार्य में लगा दिए गए हैं. उन्होंने चेतावनी दी कि 30 दिसंबर को अंतिम सूची जारी होने पर आपत्ति दर्ज कराने का अवसर नहीं बचेगा. सज्जन सिंह वर्मा ने दस्तावेजी सबूत पेश करते हुए दावा किया कि प्रदेश की 65 फीसदी पंचायतों तक फॉर्म-18 नहीं पहुंच पाया है और 28,000 बीएलओ के मोबाइल नंबर गायब हैं. भाजपा पर चुनाव आयोग को राजनीतिक हथियार में बदलने का आरोप लगाया. कांग्रेस 10 नवंबर से घर-घर जागरूकता अभियान चलाएगी, 20 नवंबर तक बीएलए प्रशिक्षण पूरा करेगी, 5 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर करेगी और 30 नवंबर को दिल्ली में मानव-श्रृंखला बनाएगी. पार्टी ने नागरिकों से आधार, वोटर कार्ड, राशन कार्ड और दसवीं की मार्कशीट की प्रतिलिपि सुरक्षित रखने और 10 नवंबर तक अपने बूथ की बीएलए सूची जांचने की अपील की.

संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार

सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)
प्लाट नं. 15 ए, सेक्टर – 7, द्वारका, नई दिल्ली – 110075

विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को छात्रवृत्तियां प्रदान करने की योजना (एस.वाई.ए)

सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारतीय शास्त्रीय संगीत, भारतीय शास्त्रीय नृत्य, रंगमंच, दृश्य कला, लोक, पारम्परिक एवं स्वदेशी कलाओं तथा सुगम शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में *"विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने की योजना"* के अंतर्गत ऑफ़लाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं।

कृपया ध्यान दें, आवेदन पत्र वर्ष 2025 – 26 के लिए आमंत्रित किये जा रहे हैं जो 10 नवम्बर 2025 से प्रभावी होंगे। इस वर्ष दी जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या 400 है। योजना का विवरण आवेदकों हेतु निर्देश, योग्यता एवं शर्तें तथा आवेदन पत्र का स्वरूप भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय एवं सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र की निम्नलिखित वेबसाईटों पर उपलब्ध है :-

www.indiaculture.gov.in,www.ccrtindia.gov.in
आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर, 2025 है।
आवेदन पत्र सिर्फ ऑफलाइन माध्यम द्वारा स्वीकार किये जायेंगे।

cbc09127/12/0007/2526

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 **RNI Reg. No.7590/60**